GEO IAS
It's about quality

1 July 2024

GEO Daily

Daily Current Affairs

GEO IAS

SOURCES

THE HINDU | The Indian EXPRESS JOURNALISM OF COURAGE | PIB | PIB | live mint | THE FINANCIAL EXPRESS | ET ECONOMIC TIMES.COM

Date: 1 July 2024

Important News Articles

1. 1 जुलाई से नए आपराधिक कानून लागू - द हिंदू
2. केरल में मेनिंगोएन्सेफलाइटिस से दो लोगों मृत्यु - द हिंदू
3. भारतीय प्रधानमंत्री की मॉस्को यात्रा से अंतरराष्ट्रीय धारणा को शांत करने में मदद मिलेगी-द हिंदू
4. टीबी के अधिक प्रभावी उपचार के लिए विशिष्ट PET स्कैन- द हिंदू
5. भारत ने जीवों की व्यापक सूची तैयार करने वाला विश्व का पहला देश बना - इंडियन एक्सप्रेस
6. DRDO ने स्वदेशी पनडुब्बी के विकास पर अध्ययन शुरू किया-द हिंदू

Editorials, Gists and Explainers

7. हेमंत सोरेन को जमानत दिए जाने से ईडी की संदिग्ध कार्यप्रणाली उजागर होती है - द हिंदू
8. भारत में उभरते संक्रामक रोगों के निदान के लिए परीक्षणों की कमी- द हिंदू
9. भारत - बांग्लादेश के बीच तीस्ता जल संधि से संबंधित मामला - द हिन्दू
10. शिक्षा' को राज्य सूची में वापस लाने की दिशा में एक सार्थक चर्चा की आवश्यकता - द हिंदू

Quick Look

1. UNRWA
2. GISAID
3. हुल दिवस
4. श्योक नदी
5. राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी (NJA)

महत्वपूर्ण समाचार लेख

सामान्य अध्ययन II

1. 1 जुलाई से नए आपराधिक कानून लागू - द हिंदू

प्रीलिम्स टेकअवे
- BNSS
- BS

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप तथा उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न मुद्दे।

समाचार:

- कुछ राज्यों की आपत्तियों के बावजूद देश भर में नए आपराधिक कानून लागू हो गए हैं।

मुख्य बिंदु:

- केंद्र सरकार के अधिकारियों ने कहा कि राज्य भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) के कुछ प्रावधानों में अपने स्वयं के संशोधन लाने के लिए स्वतंत्र हैं, जो दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC) का स्थान लेता है।
- BNSS अन्य बातों के अलावा गिरफ्तारी, जमानत और हिरासत के लिए प्रक्रिया और शर्तें निर्धारित करता है।
- भारतीय न्याय संहिता (BNS), जो भारतीय दंड संहिता, 1860 का स्थान लेती है, में भी शीघ्र ही संशोधन किया जा सकता है ताकि पुरुषों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के विरुद्ध यौन अपराधों पर एक धारा शामिल की जा सके।
- एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि पुलिस अधिकारियों से कहा गया है कि यदि उन्हें ऐसी शिकायतें प्राप्त होती हैं तो वे BNS के अंतर्गत अन्य संबद्ध धाराओं, जैसे गलत तरीके से बंधक बनाना और शारीरिक चोट पहुंचाना, को लागू करें, जब तक कि इस विसंगति को ठीक करने के लिए संशोधन नहीं लाया जाता।
- भारतीय साक्ष्य (BS) कानून, जो भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 का स्थान लेगा, तीसरा कानून है जो लागू होगा।
- नए कानूनों के साथ-साथ IPC और CrPC भी चलेंगे, क्योंकि कई मामले अभी भी अदालतों में लंबित हैं और 1 जुलाई से पहले हुए कुछ अपराध जिनकी रिपोर्ट बाद में की जाएगी, उन्हें IPC के तहत पंजीकृत करना होगा।

2. केरल में मेनिंगोएन्सेफलाइटिस से दो लोगों मृत्यु - द हिंदू

प्रीलिम्स टेकअवे
- नेगलेरिया फाउलेरी
- अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

- केरल में 'नेगलेरिया फाउलेरी (दिमाग खाने वाले अमीबा) रोग के पीछे अस्वच्छ जल और पारा वृद्धि हो सकती है

मुख्य बिंदु:

- राज्य में दुर्लभ, लेकिन घातक प्राथमिक अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस मामलों में हाल ही में हुई असामान्य वृद्धि के लिए योगदान करने वाले कारक हो सकते हैं।
- सबसे पहले वर्ष 2016 में अलपुझा नगरपालिका में इसका पता चला, वर्ष 2019 और वर्ष 2020 में मलप्पुरम, वर्ष 2020 में कोझिकोड, वर्ष 2022 में त्रिशूर और वर्ष 2023 में अलपुझा में संक्रमण की सूचना मिली।
- दुनिया भर में ऐसे मामलों में वृद्धि हुई है। वातावरण का गर्म होना और स्थिर और अस्वच्छ जल संसाधन इसके लिए जिम्मेदार कुछ परिस्थितियाँ हो सकती हैं।
- इस प्रकार का अमीबा गर्म पानी में अधिक सक्रिय पाया जाता है।
- नेग्लेरिया फाउलेरी के कारण होता है , जिसे 'दिमाग खाने वाला अमीबा' भी कहा जाता है , जो झीलों और नदियों जैसे ताजे गर्म पानी में रहता है।
- अमीबा नाक के ज़रिए शरीर में प्रवेश करके लोगों को संक्रमित करता है। यह मस्तिष्क तक पहुँचता है और ऊतकों को नष्ट कर देता है, जिससे मस्तिष्क में सूजन आ जाती है।

3. भारतीय प्रधानमंत्री की मॉस्को यात्रा से अंतरराष्ट्रीय धारणा को शांत करने में मदद मिलेगी-द हिंदू

प्रासंगिकता: भारत से संबंधित और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह तथा समझौते।

प्रीलिम्स टेकअवे
- NSTC

समाचार:
- यह अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों के लिए भी एक संकेत होगा कि प्रधानमंत्री रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के दो साल बाद भी भारत के संबंधों को 'संतुलित' करना जारी रखना चाहते हैं।

मुख्य बिंदु
- मोदी-पुतिन वार्ता में भारत द्वारा तेल आयात के कारण भारत-रूस व्यापार में वृद्धि पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है।
  - पश्चिमी प्रतिबंधों से उत्पन्न भुगतान संबंधी समस्याओं को सुलझाना, चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री मार्ग पर पिछली बातचीत को आगे बढ़ाना
  - और पारस्परिक रसद आदान-प्रदान समझौता (RELOS) को अंतिम रूप देना, जो अधिक रक्षा आदान-प्रदान का मार्ग प्रशस्त करेगा।
- यह वर्ष 2015 के बाद मोदी की पहली मास्को यात्रा होगी और दशकों पुराने वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन प्रारूप की वापसी का प्रतीक होगी।
- प्रधानमंत्री की यह यात्रा, जो उनके तीसरे कार्यकाल में उनकी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा होने की संभावना है, रूस को भारत के निकटतम पड़ोसियों के समकक्ष ला खड़ा करेगी, जो आमतौर पर भारतीय प्रधानमंत्रियों की पहली यात्राओं का गंतव्य रहे हैं।
- चीन की तरह भारत ने भी रूस के साथ राष्ट्रीय मुद्राओं में लेन-देन करने का "विकल्प" चुना है, और कहा कि भारत-रूस व्यापार का लगभग 60% अब राष्ट्रीय मुद्राओं में ही होता है।
  - इस तथ्य के बावजूद कि चीन और भारत उन पश्चिमी देशों के साथ आर्थिक रूप से जुड़े हुए हैं जिन्होंने रूस पर प्रतिबंध लगा रखे हैं।
- अधिकारियों ने बताया कि भारत और रूस चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे और साइबेरिया में निवेश बढ़ाने पर चर्चा कर रहे हैं।
  - जबकि भारत रूस से खनिज प्राप्त करना चाहता है। जिन मुद्दों को सुलझाने की आवश्यकता है उनमें बीमा और पारगमन के लिए बंदरगाहों के साथ बातचीत शामिल है, चीन में बंदरगाहों के साथ कुछ मुद्दे हो सकते हैं।
- सूत्र ने कहा कि यह मार्ग अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे या अन्य विकल्पों की तुलना में अधिक प्रभावी विकल्प प्रस्तुत करता है।

सामान्य अध्ययन III

4. टीबी के अधिक प्रभावी उपचार के लिए विशिष्ट PET स्कैन- द हिंदू

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी- विकास और उनके अनुप्रयोग और दैनिक जीवन पर प्रभाव।

प्रीलिम्स टेकअवे
- टीबी
- निक्षय

समाचार:
- ब्रिटेन और अमेरिका के शोधकर्ताओं ने पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी (PET) का उपयोग करके टीबी की जांच करने का एक अधिक सटीक तरीका विकसित किया है।

मुख्य बिंदु:
- टीम ने एक नया रेडियोट्रेसर विकसित किया है, जिसे शरीर में जीवित टीबी बैक्टीरिया द्वारा ग्रहण किया जाता है।
- रेडियोट्रेसर रेडियोधर्मी यौगिक होते हैं जो विकिरण उत्सर्जित करते हैं, जिन्हें स्कैनर द्वारा पता लगाया जा सकता है तथा 3D छवि में परिवर्तित किया जा सकता है।
- नया रेडियोट्रेसर, जिसे FDT कहा जाता है, PET स्कैन का उपयोग पहली बार सटीक रूप से यह पता लगाने में सक्षम बनाता है कि रोगी के फेफड़ों में बीमारी कब और कहाँ सक्रिय है।

- शोधकर्ताओं ने नए रेडियोट्रेसर को व्यापक प्रीक्लिनिकल परीक्षणों से गुज़ारा है, जिसमें कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं दिखा है और अब यह मनुष्यों में चरण-I परीक्षणों के लिए तैयार है। यह अध्ययन नेचर कम्युनिकेशंस पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।
- शोधकर्ताओं द्वारा विकसित नया तरीका अधिक विशिष्ट है, क्योंकि इसमें कार्बोहाइड्रेट का उपयोग किया जाता है, जिसे केवल टीबी बैक्टीरिया द्वारा ही संसाधित किया जाता है।
- नए दृष्टिकोण का एक प्रमुख लाभ यह है कि इसके लिए अस्पताल को केवल मानक विकिरण नियंत्रण और PET स्कैनर की आवश्यकता होती है, जो पूरे विश्व में उपलब्ध होते जा रहे हैं।
- इसका मतलब यह है कि इसे विशेषज्ञ विशेषज्ञता या प्रयोगशालाओं के बिना उत्पादित किया जा सकता है और इसलिए यह कम विकसित स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों वाले निम्न और मध्यम आय वाले देशों में एक व्यवहार्य विकल्प होगा। इन देशों में वर्तमान में वैश्विक टीबी के 80% से अधिक मामले और बीमारी से होने वाली मौतें देखी जाती हैं।

5. भारत ने जीवों की व्यापक सूची तैयार करने वाला विश्व का पहला देश बना - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरण प्रभाव आकलन।

प्रीलिम्स टेकअवे
- बिग कैट एलायंस
- भारतीय प्राणी सर्वेक्षण

समाचार:
- भारत ने अपने सम्पूर्ण जीव-जन्तुओं की एक सूची तैयार की है, जिसमें 1,04,561 प्रजातियां शामिल हैं। ऐसा करने वाला वह विश्व का पहला देश बन गया है।
- कोलकाता में भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ZSI) के 109वें स्थापना दिवस के अवसर पर "भारतीय जीव-जंतु चेकलिस्ट पोर्टल" का शुभारंभ किया गया।

मुख्य बिंदु:
- केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने कहा कि भारत में जीव-जंतुओं की प्रजातियों पर पहला व्यापक दस्तावेज देश को जैव विविधता दस्तावेजीकरण में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करेगा।
- जीव-जंतुओं की यह सूची वर्गीकरण वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, संरक्षण प्रबंधकों और नीति निर्माताओं के लिए एक अमूल्य संदर्भ होगी।
- इस दस्तावेज़ में सभी ज्ञात टैक्सा की 121 जाँच सूचियाँ शामिल हैं, जिनमें 36 फ़ाइला शामिल हैं।
- सूची में स्थानिक, संकटग्रस्त और अनुसूचित प्रजातियों को भी शामिल किया गया है।
- मंत्री ने कहा कि भारत जैव विविधता संरक्षण में वैश्विक स्तर पर अग्रणी है, जैसा कि इस तथ्य से पता चलता है कि "एक पेड़ मां के नाम" पहला बड़ा कार्यक्रम था।
- जैव विविधता और प्रजातियों के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस तथा चीतों को भारत में स्थानांतरित करने जैसी सरकार की पहल ऐसी ही एक सफल परियोजना है।

6. DRDO ने स्वदेशी पनडुब्बी के विकास पर अध्ययन शुरू किया-द हिंदू

प्रासंगिकता: विभिन्न सुरक्षा बल और एजेंसियां तथा उनका अधिदेश।

प्रीलिम्स टेकअवे
- DRDO
- P75I

समाचार:
- चूंकि P-75I के तहत नई पनडुब्बियों की खरीद जारी है, इसलिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने प्रोजेक्ट-76 के तहत एक स्वदेशी पारंपरिक पनडुब्बी के डिजाइन और विकास पर प्रारंभिक अध्ययन शुरू किया है।

मुख्य बिंदु
- यह एक पारंपरिक पनडुब्बी बनाने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी पोत (ATV) परियोजना का एक और चरण होगा।
- सूत्र ने बताया कि इसके तहत अरिहंत श्रृंखला की परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों का निर्माण किया जा रहा है तथा परमाणु ऊर्जा चालित पनडुब्बियों के निर्माण के लिए एक अन्य परियोजना पर भी काम चल रहा है।
- सूत्रों ने बताया कि P-76 में हथियार, मिसाइल, युद्ध प्रबंधन प्रणाली, सोनार, संचार, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध सूट, मस्तूल और पेरिस्कोप सहित पर्याप्त स्वदेशी सामग्री होगी।
- वरिष्ठ अधिकारियों ने कई अवसरों पर कहा है कि नौसेना का 30 वर्षीय पनडुब्बी निर्माण कार्यक्रम है और P-75-I के बाद उसका इरादा पारंपरिक पनडुब्बियों का डिजाइन और निर्माण स्वदेशी तौर पर करने का है।

प्रणोदन मॉड्यूल

- DRDO द्वारा डिजाइन और विकसित एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (AIP) मॉड्यूल अब स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियों पर लगाए जाने का इंतजार कर रहा है।
- सूत्रों ने बताया कि पहली स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बी कलवरी की मरम्मत वर्ष 2025 में होने की उम्मीद है, जब इसकी मरम्मत की प्रक्रिया शुरू होगी और इसमें दो से तीन साल का समय लगने की उम्मीद है।
- AIP मॉड्यूल एक बल गुणक के रूप में कार्य करता है क्योंकि यह पारंपरिक पनडुब्बियों को लंबे समय तक पानी में डूबे रहने में सक्षम बनाता है, जिससे उनकी सहनशीलता बढ़ जाती है और पता लगने की संभावना कम हो जाती है।
- अधिकारियों ने बताया कि DRDO द्वारा विकसित AIP मॉड्यूल फॉस्फोरिक एसिड आधारित है, जो व्यापक रूप से उपलब्ध है।
- AIP मॉड्यूल में हाइड्रोजन उत्पन्न करने वाले ईंधन कोशिकाओं का एक समूह होता है।
- DRDO AIP में प्रत्येक ईंधन सेल का पावर आउटपुट 13.5 किलोवाट है।
- सूत्रों ने बताया कि इसे 15.5 किलोवाट तक बढ़ाने की मांग की जा रही है और अंततः इसे 20 किलोवाट तक बढ़ाया जाएगा, जो P-76 जैसी भविष्य की पनडुब्बी आवश्यकताओं को पूरा करेगा।

एडिटोरियल, जिस्ट, एक्सप्लेनेर

7. हेमंत सोरेन को जमानत दिए जाने से ईडी की संदिग्ध कार्यप्रणाली उजागर होती है - द हिंदू

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली - सरकार के मंत्रालय और विभाग; दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ और राजनीति में उनकी भूमिका।

प्रसंग:

- झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन को जमानत दिए जाने से प्रवर्तन निदेशालय की संदिग्ध कार्यप्रणाली उजागर होती है, जिसमें वह सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक विरोधियों को गिरफ्तार करने के लिए धन शोधन के मामले दर्ज करता है।

मुख्य बिंदु

- धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) अदालतों को प्रारंभिक निष्कर्ष देने के लिए बाध्य करता है
  - क्या यह मानने का कोई कारण है कि धन शोधन के लिए जेल में बंद लोग अपराध के दोषी हैं और उन्हें केवल तभी जमानत दी जानी चाहिए जब वे नकारात्मक निष्कर्ष दर्ज करें।
- राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ ऐसे प्रावधानों का इस्तेमाल करने से उनकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं।
- झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने मामले की सामग्री और परिस्थितियों का विश्लेषण किया और इस निष्कर्ष पर उन्हें जमानत दे दी कि यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि श्री सोरेन दोषी नहीं हैं।
- प्रवर्तन निदेशालय ने एक राजस्व निरीक्षक और उसके सहयोगियों से जुड़े दस्तावेजों की जालसाजी और निर्माण से संबंधित पुलिस मामले के आधार पर उनके खिलाफ PMLA के तहत मामला दर्ज किया।
- उच्च न्यायालय के ऐसे निष्कर्ष अपील का विषय हो सकते हैं या परीक्षण के दौरान उन पर पुनर्विचार किया जा सकता है।
- हालांकि, वे इस बात पर भी प्रकाश डालते हैं कि किस तरह केंद्रीय एजेंसियां अनुमानों और अटकलों के आधार पर पद पर आसीन राजनीतिक पदाधिकारियों को गिरफ्तार करने में अनुचित जल्दबाजी दिखा रही हैं

8. भारत में उभरते संक्रामक रोगों के निदान के लिए परीक्षणों की कमी- द हिंदू

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

- जीका वायरस एक मच्छर जनित रोगज़नक़ है जो फ़्लेविवायरस वायरस परिवार से संबंधित है जिसमें डेंगू भी शामिल है; भारत में जीका की महत्वपूर्ण निगरानी की कमी का मतलब है कि हम इसके प्रसार को कभी भी पूरी तरह से नहीं समझ पाएंगे

- पुणे में जीका वायरस संक्रमण के एक हालिया मामले ने उभरते संक्रामक रोगों के निदान के लिए भारत की तैयारियों के बारे में चिंताएं फिर से पैदा कर दी हैं।

मुख्य बिंदु:	निदान
• बुखार और चकत्ते जैसे लक्षण अनुभव होने के बाद 46 वर्षीय डॉक्टर को अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनके नमूने जांच के लिए शीर्ष वायरोलॉजी संस्थान भेजे जाने के बाद उनमें जीका वायरस संक्रमण का निदान किया गया। • यह पहली बार नहीं है जब भारत में जीका की पहचान की गई है। अतीत में भारत के कई राज्यों में इसके मामले सामने आए हैं, हाल ही में वर्ष 2021 में केरल और उत्तर प्रदेश में इसका बड़ा प्रकोप देखने को मिला था। • कई मामलों में जीका संक्रमण के नैदानिक लक्षण हल्के हो सकते हैं और डेंगू सहित अन्य संक्रामक रोगों से अलग नहीं हो सकते हैं। • हालांकि, गर्भवती महिलाओं के लिए जीका वायरस एक बड़ा खतरा पैदा करता है, क्योंकि यह मां से बच्चे में फैल सकता है, जिससे संभावित रूप से संतान में माइक्रोसेफेली की संभावना हो सकती है। • जलवायु परिवर्तन के कारण, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि डेंगू के कई प्रकोप सुर्खियों में आ रहे हैं। • जो रोगवाहक डेंगू फैलाते हैं, वही जीका भी फैला सकते हैं। • हालाँकि, भारत में ज़ीका पर पर्याप्त निगरानी न होने का अर्थ है कि हम इसके प्रसार को कभी भी पूरी तरह से नहीं समझ पाएंगे।	• मार्च 2023 में, भारत के निदान अनुमोदन के लिए शीर्ष संगठन CDSCO ने पुष्टि की कि जीका के लिए कोई स्वीकृत निदान परीक्षण नहीं है। • यह सीमा जीका का निदान करने की हमारी क्षमता में बाधा डालती है, क्योंकि हम केवल शास्त्रीय लक्षणों और उच्च नैदानिक संदेह पर ही निर्भर रहते हैं, जिससे यह जटिल हो जाता है, क्योंकि हम देश भर में डेंगू के मामलों में एक साथ वृद्धि देख रहे हैं। • एडीज मच्छरों पर ICMR द्वारा की गई निगरानी से पता चला कि मानव मामलों के बाद जीका वायरस की सकारात्मकता देखी गई, जिससे यह संकेत मिलता है कि संभवतः कई मामले छूट गए हैं। • इस वर्ष भारत में पोल्ट्री को प्रभावित करने वाले कई एवियन इन्फ्लूएंजा प्रकोपों, तथा केरल में जारी प्रकोप के बावजूद, मानव परीक्षण और निगरानी सीमित ही रही है। • यह समस्या आंशिक रूप से व्यापक रूप से उपलब्ध नैदानिक परीक्षणों की कमी और कुछ शीर्ष संस्थानों पर अत्यधिक निर्भरता के कारण और भी जटिल हो जाती है। • भारत ने निपाह वायरस के कई प्रकोपों का अनुभव किया है, विशेष रूप से पश्चिम बंगाल (वर्ष 2001 और वर्ष 2007) और केरल (वर्ष 2018, वर्ष 2021 और वर्ष 2023) में। • मामलों की शीघ्र पहचान और अलगाव, संपर्क का पता लगाना, तथा संपर्कों की लक्षित जांच, निपाह प्रकोप की प्रभावी रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण हैं। • जबकि कई देश सिंथेटिक जीनोमिक सामग्री पर आधारित निदान के लिए आपातकालीन अनुमोदन प्रदान करते हैं, भारत को नैदानिक नमूनों पर सत्यापन की आवश्यकता होती है, जो आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। • यद्यपि पिछले कई वर्षों में जीका और निपाह प्रकोपों पर अनेक प्रकाशन हो चुके हैं, फिर भी इन प्रकोपों से प्राप्त जीनोम अभी भी सार्वजनिक भंडारों में तेजी से जारी नहीं किए जाते हैं। • केरल में वर्ष 2023 में फैले निपाह वायरस का जीनोम पिछले महीने ही जारी किया गया था। • कई राज्यों में एवियन इन्फ्लूएंजा का प्रकोप जारी रहने के बावजूद, हमारे पास अभी तक संपूर्ण जीनोम अनुक्रम उपलब्ध नहीं है • कोविड-19 महामारी के दौरान, भारत ने देश भर में अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और निजी प्रयोगशालाओं के मौजूदा नेटवर्क का तेजी से विकेंद्रीकरण और लाभ उठाकर अपने परीक्षण बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार किया और नैदानिक परीक्षणों की मंजूरी के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण के साथ उद्योग का दोहन किया, जिससे निदान व्यापक रूप से उपलब्ध और सुलभ हो गया। कोविड-19 महामारी से प्राप्त अनुभव अन्य उभरती बीमारियों के लिए परीक्षण क्षमताओं में सुधार के लिए एक कदम हो सकता है। • विशेष रूप से जिला और उप-जिला स्तर पर परीक्षण सुविधाओं का विकेन्द्रीकरण करके, तथा जीका, निपाह, एवियन इन्फ्लूएंजा और कई अन्य उभरते संक्रामक रोगों के लिए सुलभ और किफायती नैदानिक परीक्षण विकसित करके, भारत भविष्य में होने वाले प्रकोपों के प्रति अधिक प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित कर सकता है। • उभरते संक्रामक रोगों के लिए तैयारी और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया को सक्षम करने के लिए निदान, जीनोमिक निगरानी और डेटा साझाकरण के लिए विकेन्द्रीकृत प्रणाली को तेजी से स्थापित करने का इससे बेहतर समय कभी नहीं रहा।

9. भारत - बांग्लादेश के बीच तीस्ता जल संधि से संबंधित मामला - द हिन्दू

प्रासंगिकता: भारत और उसके पड़ोसी- संबंध।

समाचार:

- बांग्लादेश में तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन पर चर्चा करने के लिए एक तकनीकी टीम जल्द ही बांग्लादेश का दौरा करेगी।
- इस टिप्पणी से बांग्लादेश के साथ तीस्ता जल बंटवारा संधि को लेकर अटकलें तेज हो गईं, जो एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय समझौता है और दोनों देशों के बीच एक दशक से अधिक समय से लंबित है।

भारत का रुख क्या है?

- विदेश सचिव ने मीडिया को बताया कि "दोनों नेताओं के बीच चर्चा जल बंटवारे के बारे में कम, बल्कि तीस्ता के भीतर जल प्रवाह के प्रबंधन के बारे में अधिक थी।"
- पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने केंद्र के रुख पर सवाल उठाया।
  - उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखकर अपनी कड़ी आपत्ति व्यक्त की कि राज्य की भागीदारी के बिना बांग्लादेश के साथ तीस्ता जल बंटवारे पर कोई चर्चा नहीं की जानी चाहिए।

बंगाल क्यों नाराज है?

- बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि तीस्ता का पानी बांग्लादेश के साथ साझा किया गया तो उत्तर बंगाल के लाखों लोग गंभीर रूप से प्रभावित होंगे।

- यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने बांग्लादेश के साथ भारत के प्रस्तावित जल बंटवारे समझौते पर अपना विरोध जताया है।
- वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री ने तोरसा, मानशाई, संकोश और धनसाई नदियों के जल बंटवारे के वैकल्पिक प्रस्ताव का भी उल्लेख किया था, लेकिन तीस्ता का नहीं।
- भारत और बांग्लादेश के बीच कुल 54 नदियाँ बहती हैं और नदी जल का बंटवारा एक प्रमुख द्विपक्षीय मुद्दा रहा है।
- भारत और बांग्लादेश वर्ष 1996 में फरक्का बैराज के निर्माण के बाद गंगा के जल के बंटवारे पर सहमत हुए थे और वर्ष 2010 के दशक में तीस्ता के जल बंटवारे का मुद्दा बातचीत के लिए आया।
- वर्ष 2011 में, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन-II सरकार के दौरान, भारत और बांग्लादेश तीस्ता पर एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के करीब थे, लेकिन बंगाल की मुख्यमंत्री ने इस समझौते से हाथ खींच लिए, और तब से यह समझौता लंबित है।

प्रस्ताव क्या है?

- वर्ष 2011 में जब तीस्ता जल बंटवारे का प्रस्ताव तैयार किया गया था, तब कहा गया था कि दिसंबर से मार्च तक भारत को 42.5% और बांग्लादेश को 37.5% नदी जल मिलेगा।
- ब्रह्मपुत्र की एक सहायक नदी, तीस्ता नदी उत्तरी सिक्किम में त्सो ल्हामो झील से निकलती है।
- यह नदी सिक्किम में लगभग 150 किलोमीटर और पश्चिम बंगाल में 123 किलोमीटर बहती है, बांग्लादेश में प्रवेश करने से पहले यह बांग्लादेश में 140 किलोमीटर बहती है और बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है।
- तीस्ता बांग्लादेश की चौथी सबसे बड़ी सीमा पार नदी है और इसका बाढ़ क्षेत्र बांग्लादेश में 2,750 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।
- लेकिन नदी का 83% जलग्रहण क्षेत्र भारत में है और शेष 17% बांग्लादेश में है, जो उसकी 8.5% आबादी और 14% फसल उत्पादन का भरण-पोषण करता है।

राजनीतिक विचार क्या हैं?

- बांग्लादेश में अवामी लीग सरकार को तीस्ता पर समझौते पर हस्ताक्षर करने में देरी के बारे में विपक्ष के सवालों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं सिक्किम में जल विद्युत उत्पादन के लिए बांध और पश्चिम बंगाल के गाजोलडोबा में तीस्ता बैराज परियोजना के कारण बांग्लादेश में नदी का प्रवाह अनियमित हो रहा है, जिससे या तो बाढ़ आ रही है या पानी की कमी हो रही है।
- बांग्लादेश में तीस्ता के संरक्षण पर चर्चा करने के लिए भारत की ओर से एक तकनीकी टीम का दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब चीन ने वर्ष 2020 में नदी पर बड़े पैमाने पर ड्रेजिंग कार्य तथा जलाशयों और तटबंधों के निर्माण का प्रस्ताव रखा है।
- बांग्लादेश सरकार ने पिछले चार वर्षों से इस प्रस्ताव को रोक रखा है।
- पर्यावरण कार्यकर्ता भी नदी पर जलविद्युत परियोजनाओं के पारिस्थितिक प्रभाव पर सवाल उठाते रहे हैं।
- अक्टूबर 2023 में, एक हिमनद झील के फटने से तीस्ता बेसिन में बाढ़ आ गई, जिससे सैकड़ों लोगों की जान चली गई और तीस्ता III जलविद्युत बांध नष्ट हो गया।
- अंतर्राष्ट्रीय कानूनों द्वारा सीमापार नदियों के जल का बंटवारा अनिवार्य किया गया है, जिसमें वर्ष 1966 में अंतर्राष्ट्रीय नदियों के जल के उपयोग पर हेलसिंकी नियम भी शामिल हैं।
- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 253 सरकार को किसी तटवर्ती राज्य के साथ सीमापार नदी जल संबंधी संधि करने की शक्ति प्रदान करता है।

बंगाल गंगा संधि की बात क्यों कर रहा है?

- बांग्लादेश के साथ गंगा जल बंटवारा संधि को वर्ष 2026 में 30 वर्ष पूरे हो जाएंगे और इस समझौते का नवीनीकरण किया जाएगा।
- यह बताया गया है कि बांग्लादेश के साथ जल बंटवारे से गंगा की संरचना बदल गई है और नदी के कटाव के कारण पश्चिम बंगाल में लाखों लोग प्रभावित हुए हैं।
- "लाखों लोग अपने निवास स्थान से विस्थापित हो गए हैं, जिससे वे बेघर हो गए हैं और उनकी आजीविका भी छिन गई है।
- हुगली में सील्ट का भार कम होने से सुंदरबन डेल्टा के पोषण में बाधा उत्पन्न हुई है।

10. शिक्षा' को राज्य सूची में वापस लाने की दिशा में एक सार्थक चर्चा की आवश्यकता - द हिंदू

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

प्रसंग:

- हाल ही में संपन्न हुई नीट-यूजी परीक्षा ग्रेस मार्क्स दिए जाने, पेपर लीक के आरोप और अन्य अनियमितताओं को लेकर विवादों में घिर गई है।
- इससे कई सवाल उठते हैं कि क्या 'शिक्षा' को फिर से राज्य का विषय बना दिया जाना चाहिए।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियां
• ब्रिटिश शासन के दौरान भारत सरकार अधिनियम, 1935 ने हमारी राजनीति में पहली बार संघीय ढांचे का निर्माण किया। • विधायी विषय संघीय विधायिका (वर्तमान संघ) और प्रांतों (वर्तमान राज्य) के बीच वितरित किए गए थे। • शिक्षा, जो एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक वस्तु है, को प्रांतीय सूची में रखा गया। • स्वतंत्रता के बाद भी यह जारी रहा और शक्तियों के वितरण के तहत शिक्षा को 'राज्य सूची' का हिस्सा बना दिया गया। • हालाँकि, आपातकाल के दौरान संविधान में संशोधन के लिए सिफारिशें देने हेतु स्वर्ण सिंह समिति का गठन किया गया था। • इस समिति की सिफारिशों में से एक यह थी कि 'शिक्षा' को समवर्ती सूची में रखा जाए ताकि इस विषय पर अखिल भारतीय नीतियां विकसित की जा सकें। • इसे 42वें संविधान संशोधन (1976) के माध्यम से 'शिक्षा' को राज्य सूची से समवर्ती सूची में स्थानांतरित करके लागू किया गया।	• अमेरिका में, राज्य और स्थानीय सरकारें समग्र शैक्षिक मानक निर्धारित करती हैं, मानकीकृत परीक्षण अनिवार्य करती हैं तथा कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का पर्यवेक्षण करती हैं। • संघीय शिक्षा विभाग के कार्यों में मुख्य रूप से वित्तीय सहायता के लिए नीतियां बनाना, प्रमुख शैक्षिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना और समान पहुंच सुनिश्चित करना शामिल है। • कनाडा में शिक्षा का प्रबंधन पूरी तरह से प्रान्तों द्वारा किया जाता है। • जर्मनी में, संविधान शिक्षा के लिए विधायी शक्तियां लैंडर्स (राज्यों के समकक्ष) को प्रदान करता है। • दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका में शिक्षा का प्रबंधन स्कूल और उच्च शिक्षा के लिए दो राष्ट्रीय विभागों द्वारा किया जाता है। ○ देश के प्रांतों में राष्ट्रीय विभागों की नीतियों को लागू करने और स्थानीय मुद्दों से निपटने के लिए अपने स्वयं के शिक्षा विभाग हैं।

आगे की राह

- समवर्ती सूची में 'शिक्षा' को शामिल करने के पक्ष में तर्कों में एक समान शिक्षा नीति, मानकों में सुधार और केंद्र और राज्यों के बीच तालमेल शामिल हैं।
- देश की विशाल विविधता को देखते हुए, 'सबके लिए एक ही बात' वाला दृष्टिकोण न तो व्यवहार्य है और न ही वांछनीय।
- शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2022 में तैयार किए गए 'शिक्षा पर बजटीय व्यय के विश्लेषण' के अनुसार, हमारे देश में शिक्षा विभागों द्वारा किए जाने वाले कुल राजस्व व्यय में से 15% केंद्र द्वारा खर्च किया जाता है, जबकि 85% राज्यों द्वारा खर्च किया जाता है।
- 'शिक्षा' को राज्य सूची में पुनः शामिल करने के खिलाफ तर्कों में भ्रष्टाचार के साथ-साथ व्यावसायिकता का अभाव भी शामिल है।
- हालाँकि, हाल की परीक्षाओं से संबंधित मुद्दों ने यह प्रदर्शित कर दिया है कि केंद्रीकरण का अर्थ यह नहीं है कि ये मुद्दे गायब हो जायेंगे।
- शिक्षा को राज्य सूची में वापस लाने से वे चिकित्सा और इंजीनियरिंग जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों सहित उच्च शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम, परीक्षण और प्रवेश के लिए अनुरूप नीतियां तैयार करने में सक्षम हो जाएंगे।
- उच्च शिक्षा के लिए विनियामक तंत्र राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद जैसी केंद्रीय संस्थाओं द्वारा शासित किया जा सकता है।

फैक्ट फटाफट

1. UNRWA

- UNRWA का पूर्ण रूप निकट पूर्व में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1949 में लगभग 700,000 फिलिस्तीनियों को सहायता प्रदान करने के लिए की गई थी, जिन्हें वर्ष 1948 के अरब-इजरायल युद्ध के दौरान अपने घरों को छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था।
- संयुक्त राष्ट्र एजेंसी गाजा और इजरायल के कब्जे वाले पश्चिमी तट के साथ-साथ लेबनान, सीरिया और जॉर्डन में भी काम करती है - ये वे देश हैं जहां शरणार्थियों ने निष्कासन के बाद शरण ली थी।
- यह एजेंसी उपर्युक्त क्षेत्रों में स्थित शरणार्थी शिविरों के अंदर और बाहर शिक्षा, स्वास्थ्य, राहत और सामाजिक सेवाएं, माइक्रोफाइनेंस और आपातकालीन सहायता कार्यक्रम चलाती है।
- UNRWA को लगभग पूरी तरह से अमेरिका जैसे दाता देशों के स्वैच्छिक योगदान से वित्त पोषित किया जाता है।
- इसे संयुक्त राष्ट्र से भी सीमित सब्सिडी मिलती है, जिसका उपयोग केवल प्रशासनिक लागतों के लिए किया जाता है।

2. GISAID

- GISAID विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा वर्ष 2008 में देशों के बीच जीनोम अनुक्रम साझा करने के लिए शुरू किया गया एक सार्वजनिक मंच है।
- GISAID पहल सभी इन्फ्लूएंजा वायरस अनुक्रमों, मानव वायरस से संबंधित नैदानिक और महामारी विज्ञान डेटा, और एवियन और अन्य पशु वायरस से जुड़े भौगोलिक और साथ ही प्रजाति-विशिष्ट डेटा के अंतर्राष्ट्रीय साझाकरण को बढ़ावा देती है।
- इससे शोधकर्ताओं को यह समझने में मदद मिलती है कि वायरस किस प्रकार विकसित होते हैं, फैलते हैं और संभावित रूप से महामारी बन जाते हैं।
- यह डेवलपर्स को GISAID डेटा का विश्लेषण करने के लिए अपने उपकरणों के एकीकरण या कनेक्शन को सुविधाजनक बनाने में सहायता करके इन्फ्लूएंजा डेटा के विश्लेषण के लिए नए अनुसंधान उपकरणों के विकास को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है।

GEO IAS It's about quality

3. हुल दिवस

- 'हुल' का शाब्दिक अर्थ है क्रांति जो वर्ष 1855 में शुरू हुई थी
- इसका नेतृत्व दो भाइयों सिद्धू और कान्हू ने किया था
- यह विद्रोह वर्तमान झारखंड में राजमहल पहाड़ियों के आसपास हुआ था।
- यह संथालों के नेतृत्व में उपनिवेशवाद के खिलाफ एक संगठित युद्ध था, जो अंग्रेजों और उनके सहयोगियों जैसे कि जमींदारों, पुलिस के उत्पीड़न के खिलाफ खड़ा था।
- 'हूल दिवस' संथाल विद्रोह की शुरुआत का प्रतीक है।
- संथाल लोग - या संथाली - आधुनिक संथाल परगना के मूल निवासी नहीं थे।

4. श्योक नदी

- यह एक नदी है जो भारत के जम्मू और कश्मीर में उत्तरी लद्दाख से होकर बहती है और पाकिस्तान प्रशासित गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में प्रवेश करती है, जहाँ यह सिंधु नदी से मिलती है।
- यह सिंधु नदी की एक सहायक नदी है।
- यह नदी रिमो ग्लेशियर से निकलती है और इसका नाम लद्दाखी शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ है 'मृत्यु की नदी'।

- अपनी यात्रा के दौरान यह अनेक ग्लेशियरों से पिघले पानी से पोषित होता है।
- यह नदी सिंधु नदी में मिलने से पहले लद्दाख के ऊंचे रेगिस्तानों और पर्वत श्रृंखलाओं से होकर गुजरती है।
- इसकी मुख्य दाहिनी तटवर्ती सहायक नदी नुबरा नदी है।

5. राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी (NJA)

- सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत वर्ष 1993 में स्थापित NJA एक स्वतंत्र सोसायटी है, जो पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है, और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत काम करती है।
- भोपाल में स्थित इस संस्था का उद्देश्य न्यायिक शिक्षा, अनुसंधान और नीति विकास के माध्यम से न्याय प्रशासन को मजबूत करना है।
- यह न्यायाधीशों को उनकी न्यायिक भूमिका और न्यायालय प्रशासन कार्य के निष्पादन में सहायता के लिए प्रशिक्षण का आयोजन करता है।
- भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) NJA की आम सभा के अध्यक्ष होने के साथ-साथ शासी परिषद, कार्यकारी समिति और NJA की शैक्षणिक परिषद के अध्यक्ष भी हैं।

GEO IAS
It's about quality

प्रीलिम्स ट्रैक

Q1. भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. BNSS का उद्देश्य भारत में मौजूदा दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC) को प्रतिस्थापित करना है।
2. BNSS में महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के संवर्धित संरक्षण के प्रावधान शामिल हैं।
3. BNSS के तहत पुलिस हिरासत की अधिकतम अवधि घटाकर 30 दिन कर दी गई है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

Q2. प्राथमिक अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस (PAM) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. PAM एक जीवाणु के कारण होता है जो मीठे पानी के वातावरण में पनपता है।
2. PAM के लक्षण अक्सर बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस के समान होते हैं।
3. PAM के संक्रमण का प्राथमिक मार्ग दूषित जल का सेवन है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 2
D. 1, 2 और 3

Q3. निम्नलिखित में से कौन सा देश अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (INSTC) से जुड़ा हुआ है

1. भारत
2. ईरान
3. आज़रबाइजान
4. मध्य एशिया
5. यूरोप

उपरोक्त में से कौन सा विकल्प सही है

A. 1, 2, 3
B. 2, 4, 5
C. 3, 4, 5
D. 1, 2, 3, 4, 5

Q4. निक्षय और टीबी उन्मूलन रणनीति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. निक्षय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की एक पहल है, जिसका उद्देश्य टीबी के प्रबंधन के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करना है।
2. विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा अपनाई गई टीबी उन्मूलन रणनीति का लक्ष्य 2015 के स्तर की तुलना में 2035 तक टीबी की घटनाओं को 80% और टीबी से होने वाली मौतों को 90% तक कम करना है।
3. निक्षय पोषण योजना निक्षय के अंतर्गत एक योजना है जो टीबी रोगियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2, और 3

Q5. निम्नलिखित जीवों का भारत के संबंधित क्षेत्रों से मिलान करें:

जीव-जंतु	–	क्षेत्र
1. हिम तेंदुआ	–	a. पश्चिमी घाट
2. एक सींग वाला गैंडा	–	b. सुंदरबन
3. बंगाल टाइगर	–	c. हिमालय
4. नीलगिरि तहर	–	d. काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान

सही विकल्प चुनें:

A. 1-c, 2-d, 3-b, 4-a
B. 1-c, 2-b, 3-d, 4-a
C. 1-a, 2-d, 3-c, 4-b
D. 1-d, 2-a, 3-b, 4-c

Q6. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

कथन 1: भारत की परमाणु त्रयी, भूमि, वायु और नौसेना (समुद्र) के माध्यम से परमाणु हमले की क्षमता हासिल कर ली गई है।

कथन 2: परमाणु त्रिकोण की नौसैनिक क्षमता INS कलवरी द्वारा हासिल की गई थी।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I का सही व्याख्या है
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I का सही व्याख्या नहीं है
C. कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
D. कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

Q7 निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. धन शोधन की रोकथाम के लिए संविधान में अलग प्रावधान है
2. गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (UAPA) में कड़े जमानत मानक के तहत, जमानत मांगते समय यह साबित करने की जिम्मेदारी आरोपी पर डाली गई है कि उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई मामला नहीं बनता है।
3. यदि कोई व्यक्ति सोलह वर्ष से कम आयु का है या महिला है या बीमार या अशक्त है, तो उसे जमानत पर रिहा किया जा सकता है, यदि विशेष न्यायालय ऐसा निर्देश दे।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने कथन गलत है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q8. भारत में लागू वायरस प्रकारों और उनके अनुरूप नियंत्रण उपायों के निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

वायरस प्रकार — नियंत्रण उपाय

1. इन्फ्लूएंजा वायरस – a. मौसमी टीकाकरण अभियान
2. डेंगू वायरस – b. मच्छर नियंत्रण और जन जागरूकता अभियान
3. हेपेटाइटिस B वायरस – c. नवजात शिशुओं के लिए सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम
4. मानव इम्यूनो डेफिसिएंसी वायरस – d. एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी और जागरूकता कार्यक्रम

उपर्युक्त में से कौन से युग्म सही सुमेलित हैं?

A. 1-a, 2-b, 3-c, 4-d
B. 1-b, 2-c, 3-a, 4-d
C. 1-c, 2-a, 3-b, 4-c
D. 1-d, 2-b, 3-c, 4-a

Q9. निम्नलिखित नदियों के युग्मों और भारत और बांग्लादेश के लिए उनके महत्व पर विचार करें:

नदी – महत्व

1. गंगा (गंगा) – a. एक प्रमुख डेल्टा बनाती है और कृषि को बढ़ावा देती है
2. ब्रह्मपुत्र – b. अंतर्देशीय नौवहन और मत्स्य पालन के लिए महत्वपूर्ण
3. तीस्ता – c. जलविद्युत शक्ति और सिंचाई का स्रोत
4. फेनी – d. साझा नदी जल विवाद और बाढ़ प्रबंधन

उपर्युक्त में से कौन से युग्म सही सुमेलित हैं?

A. 1-a, 2-b, 3-c, 4-d
B. 1-a, 2-c, 3-d, 4-b
C. 1-c, 2-a, 3-b, 4-d
D. 1-d, 2-b, 3-a, 4-c

Q10. भारत में शिक्षा प्रणाली के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 में 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान है।
2. भारतीय संविधान के अंतर्गत शिक्षा को राज्य विषय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
3. स्वर्ण सिंह समिति ने शिक्षा को समवर्ती सूची में स्थानांतरित करने की सिफारिश की।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 1
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

प्रीलिम्स ट्रैक उत्तर

उत्तर : 1 विकल्प A सही है

व्याख्या :

- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) का उद्देश्य भारत में मौजूदा आपराधिक प्रक्रिया संहिता (CrPC) को प्रतिस्थापित करना है, जिसका उद्देश्य आपराधिक प्रक्रिया कानूनों को आधुनिक और सुव्यवस्थित करना है। **कथन 1 सही है**
- BNSS में महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा बढ़ाने, बेहतर सुरक्षा उपाय और कानूनी उपाय सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट प्रावधान शामिल हैं। **कथन 2 सही है**
- BNSS के तहत पुलिस हिरासत की अवधि को समान रूप से 30 दिनों तक कम नहीं किया गया है; यह अपराध की प्रकृति और न्यायिक विवेक के आधार पर अलग-अलग होती है। **कथन 3 गलत है**

उत्तर : 2 विकल्प C सही है

व्याख्या :

- PAM नेगलेरिया फाउलेरी के कारण होता है, जो एक अमीबा है, जीवाणु नहीं। **कथन 1 गलत है**
- PAM के लक्षण, जैसे सिरदर्द, बुखार, मतली और उल्टी, बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस के समान हो सकते हैं। **कथन 2 सही है**
- संक्रमण का प्राथमिक मार्ग निगलने के माध्यम से नहीं बल्कि नाक के मार्ग से होता है जब लोगों की नाक में पानी चला जाता है, आमतौर पर तैराकी या अन्य जल गतिविधियों के दौरान। **कथन 3 गलत है**

उत्तर : 3 विकल्प D सही है

व्याख्या :

- अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (INSTC) 7,200 किमी (4,500 मील) का मल्टीमॉडल मार्ग है जो सेंट पीटर्सबर्ग, रूस को ईरान के माध्यम से मुंबई, भारत से जोड़ता है। यह मार्ग भारत, ईरान, अज़रबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के बीच माल ढुलाई के लिए रेलवे, सड़क मार्ग और बंदरगाहों के नेटवर्क का उपयोग करता है। **इसलिए सभी विकल्प सही हैं**

उत्तर : 4 विकल्प C सही है

व्याख्या :

- **निक्षय पहल :** निक्षय वास्तव में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक पहल है। यह टीबी रोगी प्रबंधन और सूचना के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करता है। यह रोगी ट्रैकिंग, उपचार की निगरानी और परिणामों की रिकॉर्डिंग सहित टीबी नियंत्रण के विभिन्न पहलुओं को एकीकृत करता है। इस पहल का उद्देश्य भारत में टीबी नियंत्रण कार्यक्रम की दक्षता को बढ़ाना है। **कथन 1 सही है**
- **टीबी को समाप्त करने की रणनीति :** यह देशों के लिए टीबी की घटनाओं को 80% तक कम करने, टीबी से होने वाली मौतों को 90% तक कम करने और 2030 तक टीबी से प्रभावित परिवारों के लिए भयावह लागत को खत्म करने के लिए एक खाका के रूप में कार्य करता है। यह रणनीति "एक आकार सभी के लिए उपयुक्त" दृष्टिकोण नहीं है और इसकी सफलता विविध देश सेटिंग्स के लिए अनुकूलन पर निर्भर करती है। **कथन 2 गलत है**
- **निक्षय पोषण योजना :** निक्षय पोषण योजना निक्षय पहल के तहत एक पोषण सहायता योजना है। यह टीबी रोगियों को उनके उपचार के दौरान पर्याप्त पोषण प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। यह योजना टीबी रोगी की देखभाल और सहायता बढ़ाने के भारत के प्रयासों का हिस्सा है। **कथन 3 सही है**

उत्तर : 5 विकल्प A सही है

व्याख्या :

- **हिम तेंदुआ (A-3)** : हिम तेंदुआ हिमालय के ऊंचे क्षेत्रों में पाया जाता है। वे ठंडे पहाड़ी वातावरण के लिए अनुकूलित हैं और इस क्षेत्र में एक प्रमुख प्रजाति हैं।
- **एक सींग वाला गैंडा (B-4)** : एक सींग वाला गैंडा मुख्य रूप से असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में पाया जाता है। यह उद्यान इस प्रजाति की महत्वपूर्ण आबादी के लिए प्रसिद्ध है।

- **बंगाल टाइगर (C-2)** : बंगाल टाइगर भारत भर के विभिन्न क्षेत्रों में पाया जाता है, लेकिन यह विशेष रूप से सुंदरबन से जुड़ा हुआ है, जो भारत और बांग्लादेश में फैला एक विशाल मैंग्रोव वन क्षेत्र है।
- **नीलगिरि तहर (D-1)** : नीलगिरि तहर पश्चिमी घाट की एक स्थानिक प्रजाति है। यह पहाड़ी बकरी इस क्षेत्र के पर्वतीय घास के मैदानों और चट्टानी क्षेत्रों के लिए अनुकूलित है।

उत्तर : 6 विकल्प C सही है

व्याख्या :

- भारत का परमाणु त्रय एक त्रिपक्षीय सैन्य-बल संरचना है, जिसमें ICBM (भूमि-आधारित परमाणु मिसाइल), SSBN (परमाणु-मिसाइल-सशस्त्र पनडुब्बियां) और सामरिक बमवर्षक (परमाणु बम और मिसाइलों से लैस सामरिक विमान) शामिल हैं।
- इस त्रय के पीछे का सिद्धांत यह है कि देश के व्यापक परमाणु शस्त्रागार को विभिन्न हथियार प्लेटफार्मों और आयामों में फैलाने से एक विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध (CMD) उपलब्ध होगा। **इसलिए कथन 1 सही है**
- INS अरिहंत (SSBN), एक रणनीतिक स्ट्राइक परमाणु पनडुब्बी की तैनाती के साथ , भारत को अपना पूर्ण रूप से संचालित परमाणु ट्रायड मिल गया। **इसलिए कथन 2 गलत है**

उत्तर : 7 विकल्प A सही है

व्याख्या

- धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (PMLA) भारत की संसद द्वारा पारित एक अधिनियम है, जो धन शोधन को रोकने और धन शोधन से प्राप्त संपत्ति को जब्त करने का प्रावधान करता है। **इसलिए कथन 1 गलत है**
- धारा 45 में धन शोधन के आरोपों पर जमानत का प्रावधान है।
- कानून का यह प्रावधान, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (UAPA) में जमानत के कड़े मानदंडों की तरह, आरोपी पर यह साबित करने का दायित्व डालता है कि जमानत मांगते समय उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई मामला नहीं बनता है।
- हालाँकि, जमानत मानक में एक महत्वपूर्ण अपवाद है।
- कानून में कहा गया है, "बशर्ते कि कोई व्यक्ति, जो सोलह वर्ष से कम आयु का है या महिला है या बीमार या अशक्त है, उसे जमानत पर रिहा किया जा सकता है, यदि विशेष अदालत ऐसा निर्देश दे।"
- यह अपवाद भारतीय दंड संहिता के तहत महिलाओं और नाबालिगों के लिए छूट के समान है। **इसलिए कथन 2 और 3 सही हैं**

उत्तर : 8 विकल्प A सही है

व्याख्या :

- **इन्फ्लूएंजा वायरस (A-1):** मौसमी टीकाकरण अभियान भारत में इन्फ्लूएंजा वायरस के लिए एक प्रमुख नियंत्रण उपाय है, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से चरम मौसम के दौरान इन्फ्लूएंजा की घटनाओं को कम करना है।
- **डेंगू वायरस (B-2):** डेंगू के प्राथमिक नियंत्रण उपायों में मच्छर नियंत्रण रणनीतियाँ शामिल हैं, जैसे प्रजनन स्थलों को नष्ट करना, तथा रोकथाम के तरीकों के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाना।
- **हेपेटाइटिस बी वायरस (C-3):** भारत में सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम में नवजात शिशुओं के लिए हेपेटाइटिस B का टीकाकरण शामिल है, जिसका उद्देश्य प्रसव के दौरान मां से बच्चे में इस वायरस के प्रसार को रोकना है।
- **मानव इम्यूनोडिफीसिअन्सी वायरस (HIV) (D-4):** HIV के नियंत्रण उपायों में संक्रमित लोगों के लिए एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (ART) का प्रावधान और रोकथाम और सुरक्षित गतिविधियों पर जनता को शिक्षित करने के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं।

उत्तर : 9 विकल्प A सही है

व्याख्या :

- गंगा (गंगा) (A-1): गंगा नदी एक प्रमुख डेल्टा बनाती है, जिसे सुंदरबन के नाम से जाना जाता है, जो भारत और बांग्लादेश दोनों में कृषि, मत्स्य पालन और जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

- ब्रह्मपुत्र (B-2): ब्रह्मपुत्र नदी अंतर्देशीय नौवहन और मत्स्य पालन के लिए महत्वपूर्ण है। यह परिवहन और मछली पकड़ने की गतिविधियों में सहायक है, जो इस क्षेत्र के कई लोगों की आजीविका के लिए महत्वपूर्ण है।
- तीस्ता (C-3): तीस्ता नदी जलविद्युत शक्ति और सिंचाई का स्रोत है। यह अपने क्षेत्रों में कृषि गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर भारत के सिक्किम और पश्चिम बंगाल राज्यों में।
- फेनी (D-4): फेनी नदी भारत और बांग्लादेश के बीच साझा नदी जल विवाद और बाढ़ प्रबंधन मुद्दों का विषय है। जल संसाधनों के प्रबंधन और बाढ़ को रोकने के लिए फेनी नदी पर सहयोग और समझौते महत्वपूर्ण हैं।

उत्तर : 10 विकल्प C सही है

व्याख्या :

- शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 वास्तव में 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान करता है। **कथन 1 सही है**
- शिक्षा राज्य सूची का विषय था लेकिन 1976 में संविधान के 42वें संशोधन द्वारा इसे समवर्ती सूची में स्थानांतरित कर दिया गया। **कथन 2 गलत है।**
- आपातकाल के दौरान संविधान में संशोधन हेतु सिफारिशें देने के लिए स्वर्ण सिंह समिति का गठन किया गया था।
- इस समिति की एक सिफारिश यह थी कि इस विषय पर अखिल भारतीय नीतियां विकसित करने के लिए 'शिक्षा' को समवर्ती सूची में रखा जाए। **कथन 3 सही है।**

GEO IAS
It's about quality

GEO IAS

It's about quality

ABOUT US

GEO IAS is the best institute for civil services in India for providing top quality teaching and materials, offering you most optimum path for your success in Civil Services exam. Our aim is to provide quality training with an affordable fee structure. Our uniquely designed course make us the best institute for UPSC to crack the exam in one go. We have a dedicated team of experienced and young teachers and counsellors who make sure that every student who joins the institute, must get customized way of preparation which matches with student's learning style.
The only institute of UPSC in India which has 3 AI enabled Mobile apps. We believe in Smart way of teaching and learning. The classes are available in offline as well as in online mode. We take the help of animation so that you may visualize the lectures. Unlimited tests for prelims and mains with solution in both form (Hard copy and soft copy). We have the set of 15 lac mcqs on each topic. We provide daily news analysis, Highlighted news paper and links of important Sansad TV shows. The institute has best success rate with more than 230 students have cleared the exam. HIGHEST RATED INSTITUTE as per GOOGLE, SULEKHA and JUST DIAL and the magazine on civil services

+91-9477560001 /002/005

BRANCH: Delhi Kolkata, Raipur, Patna | HEAD OFFICE: 641, Ramlal Kapoor Marg, Mukherjee Nagar, Delhi, 110009

info@geoias.com

www.geoias.com